खबर संक्षेप

क्रीड़ा भारती जिला मंडला इकाई की हुई बैठक संपन्न इकाई का किया गठन, योगेश कछवाहा बने जिला अध्यक्ष

मण्डला। क्रीड़ा भारती महाकौशल प्रांत जिला इकाई मंडला की बैठक हुई संपन्न बैठक में खेल जगत से जुड़े खेल प्रशिक्षक, कोच एंव खेल प्रेमी उपस्थित रहे। बैठक में क्रीड़ा भारती महाकौशल और छत्तीसगढ़ प्रांत के क्षेत्रीय अधिकारी कौशलेंद्र पटेल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ चालक डॉ. हीरानंद चंद्रवंशी और क्रीड़ा भारती मंडला विभाग के संयोजक शशांक की उपस्थिति में की गई। बैठक में खेल जगत से जुड़े उपस्थित प्रशिक्षक, कोच एवं कीड़ा भारती कार्यकर्ताओं से कौशलेंद्र पटेल ने चर्चा करते हुए क्रीड़ा भारती संगठन के प्रमुख उद्देश्यों पर चर्चा की और विस्तृत खेल मान बिंदुओं पर खेल के क्षेत्र पर खेल के साथ-साथ चरित्र और राष्ट्र का निर्माण किस प्रकार हो इस विषय पर विस्तृत चर्चा की बैठक के पश्चात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ चालक डॉ. हीरानंद चंद्रवंशी की उपस्थिति में क्रीड़ा भारती मंडला इकाई की दायित्वों की नियुक्ति की जिसमे कीड़ा भारती जिला अध्यक्ष योगेश कछवाहा, जिला उपाध्यक्ष मोहन ठाकुर, जिला मंत्री संदीप कुमार कछवाहा, जिला सहमंत्री अजय कुमार, कोषाध्यक्ष सत्यम मिश्रा, डॉ. गुल बाहर खान, युवा इकाई प्रमुख मयंक उपाध्याय महिला प्रमुख प्रगति दुबे एंव सोनम कछवाहा एवं जिला क्रीड़ा खेल प्रमुख त्रिलोकचंद डोंगरे की नियुक्ति की गई। नियुक्ति के पश्चात बैठक में उपस्थित पदाधिकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघचालक डॉ. हीरानंद चंद्रवंशी क्रीड़ा भारती क्षेत्रीय अधिकारी कौशलेंद्र पटेल, रितेश अग्रवाल विभाग संपर्क प्रमुख, डॉ आकाश खत्री और मंडला विभाग के संयोजक शशांक द्वारा सभी कार्यकर्ताओं को नवीन दायित्वों की शुभकामनाएं प्रेषित किया।

देश के युवा आगे बढ़ें और विभिन्न क्षेत्रों में लगातार तरक्की करें-सांसद

जिले को युवाओं से बेहतर उम्मीदें

*** शासन-प्रशासन का है हर तरह से सहयोग।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि देश के युवा आगे बढ़ें और विभिन्न क्षेत्रों में लगातार तरक्की करें, इस उद्देश्य को लेकर यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में युवा उत्सव कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मेक इन इंडिया के माध्यम से भी देश के युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिला है, जिससे हमारे युवा देश का गौरव बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि जिले के सभी युवाओं को युवा उत्सव कार्यक्रम में शामिल कर इसका महत्व बताया जाए। जिससे जिले के युवा शिक्षा, तकनीकि, कौशल विकास, चिकित्सा, विज्ञान, कला व संस्कृति, उद्योग, व्यापार के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते सोमवार को रानी दुर्गावती महाविद्यालय मंडला ऑडीटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय 28वाँ युवा उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी रविन्द्र ठाकुर सहित जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी तथा महाविद्यालय के प्रोफेसर व छात्र-छात्राएं मौजूद थे। सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते का जिला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम में आगमन होने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के द्वारा लोकनृत्य एवं लोकगीत प्रस्तुत किए गए। छात्र-छात्राओं के द्वारा कविता लेखन, कहानी लेखन, भाषण प्रतियोगिता, साईंस मेला एकल समूह का आयोजन संपन्न हुआ। सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के द्वारा प्रस्तुत की गई प्रदर्शनी और चित्रकला का अवलोकन किया।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने बताया कि मंडला जिला तेजी से विकास और प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। जिले में रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, सड़क, पर्यटन, आवास, सुरक्षा, अधोसंरचना विकास जैसे महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंडला जिला के युवा सभी क्षेत्रों में अपनी हुनर का प्रदर्शन कर आगे बढ़ें और जिले का नाम रोशन करें। आयोजित कार्यक्रम में दुर्गेशनंदनी मरावी के द्वारा लोकगीत व लोकनृत्य प्रस्तुत किए गए। प्रेमसिंह मरावी के द्वारा युवा उत्सव पर भाषण दिया गया। मोहन मरकाम एवं रमेश मरावी ने भी अपनी-अपनी कला का प्रदर्शन किया।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर जिला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोमवार को रानी दुर्गावती महाविद्यालय ऑडीटोरियम में दीप प्रज्वलित कर जिला स्तरीय 28वा युवा उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के द्वारा सरस्वती वंदना गीत गाया गया। आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के द्वारा कहानी लेखन, कविता लेखन, भाषण, साईंस मेला, एकल समूह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के द्वारा भाषण एवं लोकगीत व लोकनृत्य का आयोजन किया गया, जिसे उपस्थित समुदाय ने देखा और सुना। इस अवसर पर युवा उत्सव कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के द्वारा विज्ञान, कृषि, प्राकृतिक से संबंधित प्रदर्शन का आयोजन किया गया था, जिसका सभी ने अवलोकन किया।

नगर परिषद ने कराई फूटपाथ के दुकानदारों के व्यवसाय पर बुलडोजर कार्यवाही

*** गरीबों पर ही हुई कार्यवाही बाकी सब यथावत है।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

मण्डला जिले के भुआबिछिया नगर परिषद में प्रशासन द्वारा बुलडोजर से जाने की वाली अतिक्रमण की कार्यवाही से जनता काफी आक्रोशित है अपनी मांगों को लेकर तहसील पहुंचे दुकानदारों द्वारा तहसीलदार और एसडीएम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और अतिक्रमण के बाद दुकान के लिए जगह उपलब्ध कराने की मांग की गई आपको बता दें कि बिछिया एसडीएम के नेतृत्व में नगर परिषद एवं तहसीलदार की टीम द्वारा लगातार नेशनल हाईवे के किनारे लगे दुकानदारों पर कार्यवाही की जा रही है जिससे लोग काफी आक्रोशित हैं आपको बता दें कि एक हफ्ते पहले कुछ दुकानदारों को पहले जुर्माना पटवाकर फिर पुनः नोटिस देकर अतिक्रमण कार्रवाई की जा रही है तहसील कार्यालय पहुंचे अपनी मांग को लेकर लोगों ने अपनी समस्या बतलाई ङ्कङ्क जहां पर कुछ महिलाओं ने रो-रो कर अपनी आपबीती बताई और रोजगार की समस्या से लेकर क्या-क्या समस्या से उन्हें जूझना पड़ रहा है अब ऐसे में कुछ लोगों का कहना है कि उनके ऊपर पचास हज़ार किसी के ऊपर एक लाख रुपया का लोन है अब उनका रोज़गार का साधन छीन लिया गया अब लोन भी कैसे पटाएँगे और कैसे अपना जीवन यापन करेंगे यह सब उन्होंने बताया वहीं वहीं दुकानदारों ने गरीब लोगों पर कार्यवाही करने का आरोप लगाया साथ ही अमीर लोगों को संरक्षण देने की बात कही साथ ही उनके साथ सौतेला व्यवहार करने की उन्होंने बात बताई।

24 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाएगा

मण्डला। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा स्थापित सुशासन के उच्चतर मापदण्डों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए उनके जन्म दिवस 25 दिसंबर के एक दिन पूर्व 24 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। 24 दिसंबर 2024 को प्रातः 10:30 बजे सुशासन की शपथ ली जाएगी। मैं सत्य निष्ठा से शपथ लेता हूँ कि मैं प्रदेश में सुशासन के उच्चतम मापदंडों को स्थापित करने के लिए सदैव संकल्पित रहूंगा और शासन को अधिक पारदर्शी, सहभागी जनकल्याण केन्द्रित तथा जवाबदेह बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करता रहूंगा। प्रदेश के नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए, लक्ष्य को पाने के लिए सदैव तत्पर रहूंगा। अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह ने आयोजित सुशासन दिवस पर पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सहित सभी अधिकारियों को मनाने के निर्देश दिए हैं।

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों को संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने का प्रयास करें-कलेक्टर

समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करें। पूरी क्षमता से कार्य करते हुए प्रत्येक हितग्राही को पात्रतानुसार शासन की योजनाओं का लाभ पहुचाएं। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में बेहतर परिणाम प्रदर्शित करें। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह एवं अरविंद सिंह, संयुक्त कलेक्टर जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर क्षमा सराफ, आशुतोष ठाकुर सहित समस्त एसडीएम तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे।

विभागवार सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी प्रत्येक प्रकरणों का समय सीमा में सकारात्मक निराकरण करें। प्रकरणों को संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने का प्रयास करें। उन्होंने 50 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों पर फोकस करें। कलेक्टर ने नवम्बर माह में सीएम हेल्पलाईन के मध्यप्रदेश में टॉप 5 में आने पर सभी जिलाधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नॉन अटेंड शिकायतों पर नोटिस जारी करें। मुख्यमंत्री जनकल्याण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि आगामी 3 दिवस में 90 प्रतिशत से अधिक आवेदकों को स्वीकृत करें। प्रत्येक हितग्राहियों को पात्रतानुसार लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। कोई भी पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उपार्जन की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि उपार्जित धान का परिवहन में गति लाएं। उच्च न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक प्रकरणों पर निर्धारित समयावधि में जवाब प्रस्तुत करें। बैठक में कलेक्टर ने उर्वरक भंडारण, मानव अधिकार आयोग के लम्बित प्रकरण, पीएम आवास की प्रगति, भूमि आवंटन के लंबित प्रकरणों, आयुष्मान कार्ड की प्रगति की समीक्षा, अंतर्विभागीय बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

थाना बम्हनी बंजर पुलिस ने दो आरोपियों से 30 लीटर शराब किया जब्त

मण्डला। दिनांक 22/12/24 के देर शाम थाना बम्हनी बंजर द्वारा मुखबिर सूचना पर कार्यवाही करते हुए ग्राम अमझर थाना बम्हनी बंजर के पास एक व्यक्ति को मोटर साइकिल एचएफ डीलक्स एमपी-51-एमई-8979 को चलाते हुये रोका गया जिसके साथ पीछे एक व्यक्ति बैठा हुआ था जो मोटर साईकल में थैला रखे थे जिसके अंदर 06 डिब्बे प्लास्टिक के 03 थैला में थे जिसमे लगभग 30 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब कीमती 30 लीटर पायी गयी व्यक्तियों का नाम पूछा गया जिसका नाम समारु यादव एंव पीछे बैठे व्यक्ति का नाम अक्षय वरकड़े निवासी पांडीवारा थाना बम्हनी का बताया गया शराब कीमती 4500 रुपये एवं मोटर सायकल जप्त कर दोनों आरोपियो के विरुध्द थाना बम्हनी बंजर धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रदीप पाण्डेय के साथ उनि विजय पाटिल, उनि बलदाउ पटेल, सउनि ज्ञानेश्वर ईंडपांचे प्र. आर. इन्दर सिंह राजपुत, आर. राजेश उईके, तेवेन्द्र कुमरे, शिवराम बघेल की भूमिका रही।

भ्रष्टाचार | व्यापारी के नाम निकाला जा रहा सुरक्षा श्रमिक का वेतन

वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण के नाम लाखो का बंदरबाट

*** विभाग द्वारा नहीं दी जाती मांगने पर भी जानकारी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/मवई

वनांचल क्षेत्र मवई के वनों की धज्जियां उड़ा रहा वन विभाग, शासन पानी की तरह रुपए खर्च रहा वनों के संवर्धन के लिए इसके विपरीत धरातल की स्थिति है ताजा विषय जनपद मुख्यालय मवई के समीप ग्राम सरसडोली में वन परिक्षेत्र (सामान्य) विभाग सारसडोली बीट के अंतर्गत कक्ष क्रमांक 1179 मैं वर्ष 2023-2024 में बिगड़े वनों के सुधार के लिए वृक्षारोपण के नाम से शासन को लाखों का चुना लगा दिया गया और किसी को कानों कान भनक तक न पड़ी जानकारी अनुसार कार्य आयोजना का क्रियान्वयन अंतर्गत बिगड़े वनों के सुधार वृक्ष रोपड़ मद से 18 हेक्टेयर भूमि मैं लगभग 12 लाख रुपए की लागत से लगभग 9 हजार पौधों का वृक्षारोपण कार्य कराया जाना स्वीकृत था किंतु वास्तविक स्थिति इसके विपरीत वस्तु स्थिति लागत अनुसार 50 प्रतिशत कार्य नहीं दिख रहा है शासन का इतना पैसा खर्च होने के बाद भी पौधा रोपित क्षेत्र में हरियाली नहीं दिख रही है जिन जगह पौधा रोपण होना बताया जा रहा स्वीकृत पौधों की संख्या से आधे पौधे भी मौके पर नहीं दिख रहे क्षेत्रीय जनों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि विभाग से पृथक इस भ्रष्टाचार की जांच करवा कर दोषियों पर कार्यवाही की जानी चाहिए।

सुरक्षा श्रमिक के नाम पर निकल रही राशि

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार किए गए वृक्षारोपण की सुरक्षा के लिए श्रमिक की व्यवस्था किया जाता है ऐसी ही व्यवस्था यहां भी किया जाना था किंतु सम्बंधित बीत गार्ड द्वारा वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष के रिश्तेदार के नाम पर हर माह राशि आहरण कर शासन को चुना लगाया जा रहा है जानकारी अनुसार जिस व्यक्ति को वृक्षा रोपण का सुरक्षा श्रमिक बताया जा रहा है वह एक व्यापारी है और अपनी दुकान लगता है ऐसे में चिंतन करने की आवश्यकता है कि व्यवसायि व्यक्ति कैसे शासकीय सेवा दे सकता है इस तरह बीट गार्ड के द्वारा शासन को चूना लगाना बिना आलाधिकारियों के सहयोग से संभव नहीं है।

अधिकारियों को है वृक्ष रोपड़ में लापरवाही की जानकारी फिर भी नहीं हो रही जांच

समाचार पत्रों में लगातार खबर प्रकाशित हो रही है किन्तु आला अधिकारियों के कानों में जू तक नहीं रेंग रही न किसी प्रकार की जांच कर रहे न ही दोषियों पर कार्यवाही हो रही इस तरह शासन को लग रहे चुना में आला अधिकारी भी अपनी मूक सहमति देते नजर आ रहे है

सूचना पटल मैं अधूरी जानकारी

किसी भी शासकीय कार्य में पहले सूचना पटल लगाया जाता है जिसमें कार्य संबंधित सम्पूर्ण जानकारी अंकित होनी रहती किंतु इस पौधा रोपण के सूचना पटल से आधी जानकारी गायब है विभाग के द्वारा सूचना पटल मैं सिर्फ कक्ष क्रमांक और प्रस्तावित छेत्र ही दरसाया गया है। जबकि सूचना पटल मैं न तो राशि की जानकारी दरसाई गई है और ना ही पोधो की संख्या समेत मद आदि किसी भी प्रकार की कोई जानकारी नहीं लिखी गई है।

उद्यानकी फसले अपनाने से कृषकों की आय में होगी वृद्धि-डी.एस. उइके

*** कृषको का एक दिवसीय भ्रमण सह प्रशिक्षण सम्पन्न।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

राज्य योजना अंतर्गत जिला उद्यान अधिकारी मोहन सिंह मरावी के निर्देशन में बिछिया विकासखंड के कृषको का एक दिवसीय भ्रमण सह प्रशिक्षण,संगोष्टी एव प्रचार-प्रसार कार्यक्रम का आयोजन शासकीय उद्यान सिझौरा में शनिवार की दोपहर सम्पन्न हुआ। जिसमें अतिथि के रूप में उन्नतशील कृषक बिहारी सिंह धुर्वे, राजेश झारिया, शाहीन खान, आनंद टांडिया शामिल हुए। सर्वप्रथम स्वर्णा बसोड़ ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी बिछिया ने विभाग द्वारा संचालित योजनों का प्रतिवेदन सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। उद्यान विभाग से डी. एस. उइके वरिष्ट उद्यान अधिकारी विकासखंड बिछिया ने उद्यानकी फसलों में एकीकृत पौध संरक्षण एवं एकीकृत पोषण प्रबंधन के साथ प्राकृतिक जैविक खेती पर विस्तार से कृषको को अवगत कराया। उन्होंने शासन द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से बताते हुए उन योजनाओं के लिखित साहित्य भी कृषको को वितरित किए। उद्यानकी फसलों को ज्यादा से ज्यादा अपनाकर अपनी आय बढ़ा सकते है।उन्होंने जैविक खेती को अपनाने हेतु कृषको को प्रेरित किया।ततपश्चात विभाग के अधिकारी एवं उन्नत कृषको के बीच मे उन्नत तकनीकी कृषि पर संवाद हुआ। संवाद पश्चात भ्रमण हेतु समस्त कृषको को सिझौरा से चटुवाखार उन्नत कृषक सुखचैन मरावी एवं बिहारी धुर्वे के परिक्षेत्र में लगे फूलगोभी, पत्तागोभी, आलू, लहसुन का अवलोकन करवाकर वहां से सभी कृषको को राजो रैयत के उन्नत शील कृषक दयाराम मरावी के परिक्षेत्र में लगी मिर्च का अवलोकन कराया गया। छाबड़ा कृषि फार्म पौड़ी जिला बालाघाट के भ्रमण में कृषको को ड्रेगन फ़ूड,टमाटर की खेती का अवलोकन कृषि फार्म के तकनीकी जानकर हरिओम सिंह द्वारा कराया गया। कार्यक्रम में जगत सिंह मरावी वरिष्ट उद्यान विकास अधिकारी मवई,डी. एस. उइके वरिष्ठ उद्यान अधिकारी बिछिया, स्वर्णा बसोड़ ग्रामीण विस्तार अधिकारी बिछिया के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 70 कृषको ने भाग लिया।

खबर संक्षेप

ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर बिजली बिल नहीं मिलने से परेशान हो रहे उपभोक्ता

गाडरवारा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा बिजली उपभोक्ताओं से बिजली बिलों की बसूली को लेकर सख्ती बरती जा रही है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते बिजली उपभोक्तओं को समय पर बिजली बिल नही मिलने की स्थिति में वह अपने बिलों का समय पर भुगतान नही कर पाने के कारण जबरन उनसे लेट बिल जमा करने का दंड बसूलना कहा तक उचित है? इस संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि बिजली बिलों का वितरण होना अब बंद हो चुका है और बिजली विभाग द्वारा मोबाईल के माध्यम से बिल भेजे रहे है। इस स्थिति में अनेकों पर ग्रामीण उपभोक्ताओं के मोबाईलों पर बिजली संबंधी सूचना नही आती है और ग्रामीण जन इतने पढे लिखे भी नही होते है जो अंग्रेजी में आने वाले बिल को पढ सके इस हालत में ग्रामीणजन अपना बिल जमा करना भूल जाते है। इस संबंध में ग्रामीण क्षेत्रों में लाईन मेन द्वारा किये जाने की जगह आम नागरिकों को थोंक के पाव में बिलो की सूचना थमा दी जाती है और कह दिया जाता है कि वह सभी को बिलों की सूचना वितरण कर दे। मगर इस स्थिति कि चलते स्थिति यह बनती है कि यह बिल समय पर उपभोक्ताओं के पास नही पहुंचने के कारण जहां व समय पर बिलों का भुगतान नही कर पा रहे है, जिसके चलते या तो उनके बिजली कनेक्शन कट जाते है या फिर उनसे बिजली विभाग द्वारा समय पर बिल जमा नही किये जाने की बात को लेकर अंतिरिक्त दंड स्वरूप बिलों की अदायगी कराये जाती है? यही हाल दूर संचार विभाग का भी देखा जा रहा है जो आम लोगों से अपने बिलों का वितरण कराये जाने के कारण समय पर उपभोक्ताओं को देयक बिल नही मिलने के कारण वह परेशान होते हुए देखे जाते है? अब सबाल यह उठता है कि जब विभाग की लापरवाही के चलते जब समय में उपभोक्ताओं को बिल नही मिल रहे है तो वह बिलों को समय पर जमा नही कर पाने में दोषी कैसे हो गया जिसके चलते उसे अतिरिक्त राशि दंड स्वरूप जमा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? क्या विभाग की लापरवाही के चलते उपभोक्ताओं के साथ अन्याय नही हो रहा है?

शासन की जननी योजना हुई फेल, ग्रामीण अंचलों में नहीं मिल रहा इसका लाभ

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। शासन द्वारा जज्चा बच्चा की रक्षा की मंशा को ध्यान में रखते हुए कुछ वर्ष पहले शासकीय अस्पताल मे सुरक्षित प्रसव कराने के लिए ग्रामीण अंचलों की गर्भवती महिलाओं को शासकीय अस्पताल तक निःशुल्क पहुंचाने हेतु जननी एक्सप्रेस योजना लागू की गई है, लेकिन यह योजना अब ग्रामीण क्षेत्र मे दम तोड़ती नजर आ रही है? क्योकि जिला एवं तहसील अस्पताल मे दूरस्थ ग्रामीण अंचलों से प्रसव कराने पहुंच रही अधिकांश महिलाओं मोटी रकम देकर स्वयं के खर्चे वाहन की व्यवस्था करना पड़ता है। हितग्रहियों की हमेशा यही शिकायत रहती है कि बार बार जननी एक्सप्रेस को फोन लगाने पर या फोन उठाया ही नही जाता या अगर उठाया भी जाता है कि वाहन कही और दूसरी गर्भवती महिला को लाने गया है का बहाना बताया जाता है, इस तरह से मजबूरी मे लोगों को निजी वाहन करके अस्पताल आना पड़ता है।

यदि बारिश हुई तो गन्ना सहित अन्य कार्य प्रभावित होने से नही किया जा सकता है इंकार...

अचानक आसमान पर बादल छाने से चिंता में आया अन्नदाता, खेतों में तैयार हो रही चना फसल में इल्ली के प्रकोप की बढ़ रही संभावना

सडूमर। क्षेत्र का किसान जिस प्रकार से बीते हुये कुछ वर्षो से लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये किसी तरह मेहनत करने में जुटा हुआ है। मगर इस समय देखा जा रहा है कि जिस तरह आसमान पर छाने वाले बादलों से यह अनुमान लगने से चूक पा रहा है कि प्रकृति की मार इन किसानों का पीछा नही छोडेगी और आसमान की ओर देखकर अन्नदाताओं के चेहरों पर चिंता की लकीरे स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है? क्योंकि क्षेत्र के किसान खाद बीज सहित अन्य प्रकार की सामग्री के आभाव में किसी तरह अपना जुगाड़ बनाते हुये खेतों में बोनी करने में जुटा हुआ है और जिन किसानों पर अपने खेतों में पहले बोनी कर दी गई उनके खेतों में हरियाली फैलते हुये दिखाई देना शुरू हो गई है। मगर इस तरह अचानक आसमान पर छाने वाले बादलों पर रात दिन एक करने वाले किसानों को चिंता में डाल दिया गया है। क्योंकि हर वर्ष देखा जाता है कि जब सारी परेशानियों को झेलने के बाद किसानों द्वारा अपने खेतों में इस उम्मीद के साथ फसल की बोनी की जाती है कि शायद इस बार उनका भाग्य संभल जावेगा और प्रकृति साथ दे देगी। मगर जब खेतों में फसले तैयार होने लगती है तो प्रकृति का खेल इस प्रकार से देखने मिलता है कि किसानों की रातों की नींद गायब होने से नही बच पाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। क्योंकि इस समय किसानों के खेतों में जहां चना, गेंहू, मसूर सहित अन्य प्रकार की फसले तैयार होते हुये दिखाई पड़ रही है तो अनेक जगहों पर किसानों ने अपने खेतों में राहर फसल लगाई गई थी वह कटने के लिये तैयार होकर खड़ी है। वही दूसरी ओर जिन किसानों के खेतों में गन्ना फसल लगी हुई है उसकी पिराई का कार्य जोरो पर चल रहा है। मगर आये दिन आसमान पर बादल छाने के कारण किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरे पड़ने से नही चूक पा रही है। क्योंकि बादलों का डेरा रहने से जहां फसलों में इल्ली का प्रकोप बढ़ रहा है तो दूसरी ओर ठंड में भी ब्रेक लगने से फसल तैयार होने की गति पर अंकुश लगते हुये दिखाई देने से फसलों की प्रगति प्रभावित होने से नही बच पा रही है। क्योंकि यदि मौसम का हाल इसी तरह रहा तो किसानों के खेतों में बोई गये चना, मसूर, गेंहू सहित अन्य फसलों के कारण संपूर्ण प्रकृति हरियाली से सराबोर हो रही है उसे लूटने में देर नही लगेगी। वही यदि बारिश होती है तो निश्चित किसानों की गन्ना कटाई से लेकर पिराई का कार्य काफी हद तक प्रभावित होने से नही बच पायेगा तो दूसरी ओर जो किसान अपनी धान फसल का विक्रय करने के लिये खरीदी केन्द्रो पर लाईनों में खड़े हुये है उनकी फसले खराब होने से नही बच पायेगी? इस तरह आसमान पर बदली छाने के कारण ठंड में रूकावट का महौल निर्मित हो रहा है उसके कारण किसानों के खेतों में लहलहाती हुई फसलों में इल्ली सहित अन्य प्रकार के रोग लगते हुये देखे जा रहे है और अपनी फसलों की सुरक्षा को लेकर किसान अनेक प्रकार से कीट नाशक दबाईयों का छिड़काव करने के लिये मजबूर हो रहा है। इस स्थिति में किसानों को आर्थिक कठिनाईयाँ भी झेलना पड़ रही है। इस प्रकार से प्रकृति की मार झेल रही किसान आसमान पर छाने वाले बादलों को देखकर सुखमन से रोटी तक नही खा पा रहा है। क्योंकि दिसम्बर जनबरी माह चना, मसूर सहित इस सीजन की फसलों के लिये प्रमुख माना जाता है, इन महिनों में पड़ने वाली ठंड के चलते ही फसलों की जिन्दगी निर्धारित होती है। मगर आसमान में छाने वाले बादल जिस तरह ठंड में रूकावट बनने के साथ साथ बारिश की संभावना पैदा कर रहे है वह निश्चित तौर से किसानों के लिये चिंता पैदा करते हुये दिखाई पड़ने लगे है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय देखा जा रहा है कि जब किसानों द्वारा अपने खेतों में बोई गई चना, मसूर, गेंहू सहित अन्य फसलों का हाल इस तरह से बना हुआ है कि मौसम के मिजाज के कारण जहां अनेक प्रकार की बीमारियों की चपेट में आ रहे है तो दूसरी ओर उन्हें जंगली जानवर द्वारा तो लगातार क्षति पहुंचाई ही जा रही है जिनकी सुरक्षा में किसान रात दिन अच्छी नींद लेकर सो तक नही पा रहे है तो दूसरी ओर प्रकृति द्वारा की जा रही खिलबाड़ किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीर निकाल रहा है। इस प्रकार से लगातार बन बिगड़ रहे मौसम से फिर क्षेत्र के किसानों को इस बात की चिंता सताने से नही चूक रही है कि कही ऐसा न हो कि उनके खेतों में हरियाली से लहलहाती हुई फसलों पर फिर प्रकृति की मार न पड़ जावे और क्षेत्र का किसान बर्बादी की कगार पर पहुंच जावे? इस संबंध में जब क्षेत्र के किसानों से हमारी हरिभूमि टीम से चर्चा की गई तो क्षेत्र के अन्नदाता का कहना है कि इस वर्ष प्रकृति ने जिस प्रकार से खेल खेला गया है उसके चलते निश्चित किसानों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा है। क्योंकि जब किसानों द्वारा अपने खेतों में सोयाबीन व धान फसल लगाई गई थी तो उम्मीद थी कि शायद शासन द्वारा अच्छे रेट पर खरीदी कर ली जावेगी। मगर जब अन्नदाता अपने खून पसीने की कमाई को विक्रय करने के लिये पहुंचा तो उसमें फसल तैयार करने के लिये लगाई गई लागत भी खड़ी नही हो पा रही है। क्योंकि बीते हुये एक साल पहले सरकार द्वारा जारी किया गया संकल्प पत्र पूर्णरूप से झूठा साबित होने से नही चूक पा रहा है। इसी प्रकार से ग्राम भौरझिर निवासी एक का कहना है कि ठंड का मौसम स्वास्थ्य और फसलो के लिए बेहतर माना जाता है। मगर आसमान में लगातार छाने वाले बादलों के कारण इस वर्ष फसलों के लिये काफी दुखदायी साबित हो रहा है। क्योंकि बादलों के रहने से फसलें अनेक प्रकार की बीमारियों की गिरप्त में आते आ रही है और इसी कारण खेतों में तैयार हो रही फसलों में अनेक प्रकार की बीमारियाँ लगने के कारण उनकी सुरक्षा को लेकर किसान लगातार कर्ज उठाते हुये लागत लगा रहा है। मगर जैसे तैसे साधनों की व्यवस्था कर किसानों ने सही समय पर रबी फसलों की बोवनी की थी पर वर्तमान में बादलों के उपद्रव ने क्षेत्र के किसानों को फिर चिंता में डाल दिया गया है।

पुलिस द्वारा लगातार चलाया जा रहा है चैकिंग अभियान, धार्मिक स्थलों सहित ढाबों व होटलों पर रखी जा रही पैनी नजर

गाडरवारा। क्षेत्र में चोरी एवं संपत्ति संबंधी अपराधों पर पूर्णतः अंकुश लगाने हेतु चलाया जा रहा सर्चिंग अभियान के अंतर्गत धार्मिक स्थलों, ढाबों, बैंक, एटीएम को किया जा रहा चैक, मुसाफिरों एवं नकबजनी/संपत्ति संबंधी अपराधों में जेल से रिहा हुये व्यक्तियों की जा रही खोज खबर। क्षेत्र में चोरी/ संपत्ति संबंधी अपराधों एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों पर पूर्णतः अंकुश लगाने हेतु जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में लगातार चलाया जा रहा सर्चिंग अभियान। बताया जाता है कि जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमति मृगाखी डेका द्वारा जिले के समस्त एसडीओपी एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि क्षेत्र में चोरी/ संपत्ति संबंधी अपराधों पर पूर्णतः अकुश लगाया जावे। वही पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश, चोरी/संपत्ति संबंधी अपराधों पर लगाया जावे पूर्णतः अंकुश लगाये, इसी के चलते समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने क्षेत्र में निरंतर भ्रमण किया जावे

एवं रात्रि गस्त चुस्ती के साथ की जावे साथ ही सार्वजनिक स्थानों, रेल्वे स्टेशन, बस स्टेन्ड, सराफा बाजार, धार्मिक स्थान, बैंक, एटीएम की लगातार चैकिंग जावे। साथ ही संदिग्धों से पूछताछ कर उनके संबंध में जानकारियां एकत्रित की जावे। वही कृषि कार्य एवं अन्य कार्यो से बाहर से आये मुसाफिरों निरंतर चैकिंग कर उनसे संबंधित समस्त जानकारियों को एकत्रित किया जा रहा है एवं क्षेत्र में ऐसे बड़े व्यापारी जिनके पास बाहर से काम करने आये मजदूरों की जानकारी से संबंधित थानों को सूचित करने हेतु समझाईस दी जा रही है एवं गतिविधियों पर नजर रखने हेतु बताया गया है। वही कॉलोनियों एवं रहवासी क्षेत्रों का पुलिस द्वारा भ्रमण करते हुये लोगों को नुक्कड सभाओं के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। वही रहवासियों से सीसीटीव्ही कैमरे एवं सुरक्षा गार्ड रखने हेतु प्रेरित किया जा रहा है साथ ही क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों को देखे जाने पर तत्काल पुलिस को सूचित करने हेतु समझाईस दी जा रही है। नकबजनी/संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक, श्रीमति मृगाखी डेका के निर्देश पर निरंतर अभियान चलाकर ऐसे अपराधी जो जेल में निरूद्ध थे उनकी रिहाई उपरान्त उनकी निरंतर चैकिंग की जा रही है। इसी के चलते बीते हुये दिवस उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन में नगर निरीक्षक थाना प्रभारी प्रियंका केवट द्वारा नगर की बैकों सहित होटलों में पहुंचकर वहां पर रूके हुये लोगों के संबंध में जरूरी जानकारियाँ ली गई तो दूसरी ओर बैकों में लगे हुये गुप्त केमरों का भी निरीक्षण करते हुये लोगों को किसी तरह की घटना से निपटने के लिये जागरूक किया गया।

सांगई स्कूल में राष्ट्रीय गणित दिवस पर आयोजित किये कार्यक्रम, रंगोली, मेंहदी व चित्रकला के माध्यम से छात्र छात्राओं ने दी प्रस्तुति

गाडरवारा। सोमवार को समीपस्थ ग्राम सांगई की एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला मे नवाचारी माध्यमिक शिक्षक मधुसूदन पटैल के संयोजन मे राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय मे छात्र छात्राओं के हितार्थ रंगोली, महंदी, चित्र कला एवं प्रश्न मंच प्रतियोगिताओं का आयोजन प्राथमिक एवं माध्यमिक वर्ग के लिए अलग अलग किया गया। इन प्रतियोगिताओ मे छात्र छात्राओं ने अंक चार्ट, संख्या चार्ट,त्रिभुज, चतुर्भुज, घन, घनाभ,वृत्त, अर्धवृत्त, वर्ग, आयत, शंकु, बेलन सहित अनेक ज्यामितीय आकृतियाँ रंगोली, चित्रकला, मेहंदी के माध्यम से बनाते हुये गणित की प्रस्तुति दी गई। वही दूसरी ओर प्रश्न मंच के दौरान अनेक प्रश्नों के जवाब दिए। प्रतियोगिताओं के अंत मे समस्त विधाओं मे प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त बच्चों को ट्राफी भेंटकर एवं सभी प्रतिभागियों को मैडल पहनाकर सम्मानित किया गया।प्रतियोगिता मे निर्णायक की भूमिका शिक्षक किरण लता ठाकुर एवं फूलवती केवट ने निभाई ।समापन कार्यक्रम मे

मुख्य अतिथि शासकीय महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ सुनील शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय गणित दिवस भारतीय गणितज्ञ रामानुजम की जयंती के अवसर पर मनाया जाता हे। इस दौरान उन्होंने प्रतियोगिताओं मे सहभागी बच्चों के जज्बे को सराहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राध्यापक डॉ सतीश अग्निहोत्री ने कहा कि बच्चों मे गणितीय समझ को विकसित करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया जो एक अच्छा कार्य हे। कार्यक्रम मे प्रधान पाठक दशरथ प्रसाद जाटव ने उपस्थित अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन माध्यमिक शिक्षक मधुसूदन पटैल एवं आभार प्रदर्शन शिक्षक सुरेश चौहान ने किया। इस अवसर छात्र छात्राओं सहित ग्रामीणजन मौजूद थें।

किराना दुकान की तर्ज पर गांव गांव बिक रही शराब की गिरफ्त में समा रही युवा पीढ़ी से बढ़ रहा अपराधों का ग्राफ...?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। शहर में विदेशी, देशी शराब का जिस प्रकार से शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से कारोबार चलते हुये देखा जा रहा है उसका परिणाम है कि इसकी गिरप्त में लगातार युवा पीढ़ी आने के साथ साथ अपनी जिन्दगी को बर्बाद करने से नही चूक रही है बल्कि सही मायने में देखा जावे तो शराब पीने की चपेट में आए युवाओं, किशोरों की तादाद बढ़ती चली जा रही है? यह बात अलग है कि आये दिन पुलिस प्रशासन के साथ साथ समाजसेवी संस्थाओं द्वारा नशामुक्ति संबंधी शिविरों का आयोजन करते हुए नशा से दूर रहने के लिए संदेश दिया जाता है। मगर वह मात्र औपचारिकता पूर्ण ही दिखाई दे रहा है और इसी का परिणाम है कि जहां तहां बिक रही अवैध शराब के चलते युवा पीढ़ी इसकी चपेट में आने से नही बच पा रही है? गौरतलब है कि शाम ढलने के बाद शराब की दुकानों पर युवाओं की भीड़ उमड़ने लगती है तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में गांव गांव किराना दुकानों के समान शराब का अवैध कारोबार चलते हुये देखा जा रहा है जिसके चलते शहर से लेकर गांवों में आसानी से उपलब्ध हो रही शराब के चलते युवा जो अपने दोस्तों के साथ शराब पीकर इतने मस्त हो जाते है कि उन्हें अपने घरों की स्थिति का ध्यान नही रहता और रात को जब वे अपने घरों की दहलीज पर लड़खड़ाते हुए कदम रखते है तो महिलाएं बुरी तरह विचलित हो जाती है और घरों में कोहराम मच जाता है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों का कहना है कि शराब ने शहर लेकर गांवों का माहौल बिगाड़ दिया है। युवाओं, किशोरों को शराब पीने की लत लगने से उनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा है, माँ बाप की आशाओं के अनुरूप वे अपना भविष्य नही बना पा रहे है और घरों में कलह हो रही है, लोगों का कहना है कि शराब के शौकीन युवा ठीक से घरों में भोजन नही कर रहे है और अपने माँ बाप की सेवा करने की बजाय उन्हें परेशान करते हुए देखे जा रहे है। इतना ही नही यदि शराब की दुकानों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो जिस प्रकार से नगर में शराब दुकाने रहवासी क्षेत्रों में संचालित हो रही है उसके चलते जहां नगर का संपूर्ण वातावरण दूषित हो रहा है तो दूसरी ओर ग्राम क्षेत्रों में जहां तहां किराना दुकानों के समान चलने वाली इन दुकानों पर होने वाली मारपीट के चलते आसपास रहने वाले किशोरों पर भी विपरीत असर पड़ते हुए देखा जा रहा है, जिसके चलते शहरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि नगर में फिलहाल जो तीन शराब की दुकाने युवाओं को आकर्षित कर रही है उन्हें नगर सीमा से हटाया जाए और पुलिस बीरान जगहों पर खुलेआम हो रही शराबखोरी पर भी अंकुश लगाने की पहल करे जिससे नगर में शांति व्यवस्था कायम रह सके।

आखिरकार पंचायतों में जनप्रतिनिधि बनते ही क्यों बदल जाते है उनके तेवर?

सालीचौका। वर्तमान परिवेश यदि ग्रामीण अंचल के जनप्रतिनिधियों में पंचायत स्तर के प्रमुख माने जाने वाले जनप्रतिनिधियों की बात करे तो निश्चित ही जनप्रतिनिधि बनने के बाद जिस प्रकार से चंद वर्षो के बाद उनके परिवेश में बेतहाशा बदलाब देखने को मिल रहा है उससे पंचायतों में आम जनता का विकास होने की जगह उनके विकास की सच्चाई उजागर होने से नही बच पा रही है? यदि इनकी सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों के पंचायत जनप्रतिनिधि जो खेतों में हल जोतने के आलवा दिन भर मेहनत मजदूरी करके अपना भरण पोषण करते हुए देखे जाते थें जिन्हें बीते हुये कुछ वर्ष पहले जिस तरह से पंचायत स्तर पर जब प्रतिनिधि की कुर्सी मिलने के बाद उन ग्रामों के पंचयात स्तर या फिर अन्य प्रमुख पदो पर पहुंचतें ही कायाकल्प हो जाती है? क्योंकि वह पहले जहां कच्चे खपरैल वाले मकानों में रहने से लेकर दूर दराज के गांवों तक जाने के लिए वाहन के नाम पर मात्र एक मामूली से साईकिल पर ही आश्रित रहतें थें। मगर वह आज चंद वर्षो में ही अपनी खेती बाड़ी में प्रकृति की मार झेलते हुए उनके दिन जिस प्रकार से बदले हुए दिखाई दे रहे है जो सिर्फ चर्चा का विषय ही नही बल्कि उनकी आये की

सच्चाई को जांच करने की ओर संकेत देने से नही चूक पा रही है? क्योंकि अनेक पंचायतों में देखा गया था कि जहां वह शुरूआती तौर में साईकिलों के माध्यम से अपनी जीविका चला रहे थें । मगर वह दो पाहिया गाड़ी तो छोटी बात है चार पहिया चमचमाती गाडी घर के सामने खड़ी हुई दिखाई देने से नही चूक पा रही है..? यदि इस सच्चाई पर गौर किया जावे तो शासन प्रशासन द्वारा ग्रामीणो के हित के लिए कई योजनाएं व सुविधा मुहैया कराई जाती है जिसका लाभ शायद उन पात्र हितग्राहियों की जगह कही और जाते हुए दिखाई दे रहा है और शायद इसी का परिणाम है कि इन पंचायत स्तरीय जनप्रतिनिधियों के आये दिन सुख सुविधा के साधन बदल रहे है? इस संबंध में जब ग्रामीण क्षेत्रो का रूख करते है तो खुलेआम ग्रामीणों द्वारा कहा जाता है कि सरपंच जी से हमारे प्रारम्भ से ही घरेलू संबंध थें..। किन्तु उनके पंचायत के जनप्रतिनिधि बनतें ही श्रीमान जी के तेवर कुछ बदल से गए और अब मिलने के लिये घर के कई चक्कर काटने के बाद ही दर्शन हो पाते है..? वही जिन पंचयतों में महिला जनप्रतिनिधि है वहां के लोगों के मुंह से तो यह तक सुना जाता है कि बा भौजी तो पहले सी ऐसई थी और अब भी एसई है, मनों जब से भौजी जनप्रतिनिधि बनी है तब से भैया के मन जलबे है..और अब बे तो भौजी के पद पर खुदई भैया मजा कर रहे है? कोई समस्या पूछनें या बताने पर सीधें मुह बात नही करतें और न ही किसी योजना की जानकारी देते? इतना ही नही उनके रहन सहन, घर- द्वार, ठाट-बाट, आवागमन की पर्याप्त सुविधा, पूरे खेत खलिहानो में अपने जनप्रतिनिधि बनने के चंद वर्ष के बाद ही परिवर्तन नजर आने लगता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये पांच वर्षो में देखने मिल चुकी है और शायद वह अपनी कुर्सी के मोह में फंस जाने के कारण उसे छोड़ना नही चाह रहे है जिसके चलते पुराने आरक्षण में चुनाव होने की घोषणा ने निश्चित ही इन सरपंचो की पोह बारह करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है।

नगर के पुराना बस स्टेन्ड क्षेत्र में अतिक्रमण के चलते बन जाती है जाम की स्थिति

गाडरवारा। यह बात अलग है कि प्रशासन द्वारा नगर में हर वर्ष अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई जाती है। मगर इस मुहिम का परिणाम इस प्रकार से देखने मिला है कि प्रशासन द्वारा सिर्फ छोटे मोटे लोगों को हटाते हुए बड़े प्रभावशाली लोगों को जिस प्रकार से अभय दान दिया जाता है कि उसके चलते न तो नगर को अतिक्रमण से मुक्ति मिल पा रही है और नही नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार देखने मिल रहा है? क्योंकि अतिक्रमण के चलते खाली होने वाली भूमि को भी प्रशासन द्वारा सुरक्षित करने में बरती जाने वाली कोताही का परिणाम है कि अतिक्रमणकारी चंद दिनों बात उस स्थल पर पुनः अपना कब्जा जमाने से नही चूकते है, कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के पुराना बस स्टेन्ड के पास देखने मिल रही है। जहां पर मुख्य मार्ग सहित सड़क के आसपास हुये अतिक्रमण का परिणाम है कि इस क्षेत्र में आये दिन जाम की स्थिति निर्मित होने से आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है? इतना ही नही इस क्षेत्र में यदि अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो कुछ लोगों द्वारा नाली पर तक पक्का निर्माण करते हुए अपना कब्जा जमा लिया गया है, जिसके चलते बताया जाता है कि उनके पास पट्टा है? मगर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या नाली के ऊपर निर्माण करने के लिए पट्टा प्रदान किया जा सकता है जो जांच का विषय बना हुआ है?

स्कूली समय पर नगर के अंदर से गुजर रहे भारी वाहनों पर पुलिस प्रशासन की उदासीनता हो रही उजागर

गाडरवारा

इस समय नगर के प्रमुख माने जाने वाले स्टेशन रोड सहित नगर के अंदर जिस प्रकार से स्कूली समय पर भारी वाहनों को निकलते हुये देखा जा रहा है उसके चलते आये दिन जहां नगर में अंदर जाम की स्थिति निर्मित होते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर स्कूली बच्चों की जिन्दगी भी खतरों से खाली दिखाई देने से नही चूक पा रही है? क्योंकि नगर का राठी तिरहा से स्टेशन तक का प्रमुख मार्ग इस प्रकार का माना जाता है। क्योंकि जहां पर अनेक स्कूलों के आलवा न्यायालय, तहसील कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय सहित रजिस्टार आफिस, बिजली आफिस, पुलिस थाना सहित अनेक निजी स्कूल संचालित हो रहे है, इस स्थिति के चलते इस मार्ग पर दिन भर भीड़ भाड़ का आलम देखा जाता है। इसी सोच के चलते कुछ वर्ष पूर्व यहां की तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी सुश्री रंजना पाटने द्वारा इस मार्ग पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक व शाम 4 बजे से शाम 7 बजे तक के लिये स्थाई रूप से भारी वाहनों पर नो एन्ट्री का प्रस्ताव पास करते हुये इस मार्ग सहित नगर के अंदर भारी वाहनों के प्रवेश पर स्थाई प्रतिबंध का आदेश जारी किया गया था। जिसके लिये नगर के वाहर अलग अलग स्थानों पर वोर्ड भी स्थापित किये गये है..? मगर इसे पेहरेदारों की उदासीनता ही गई जावे कि इस मार्ग सहित ठीक पुलिस थाने के सामने से इस प्रकार से नो एन्ट्री अवधि के दौरान धडल्ले से भारी भरकम वाहनों की धमाचौकड़ी मची हुई दिखाई देने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों की कुम्भकर्णी निंद्रा भग्न नही हो पो से निश्चित ही पुलिस की उदासीनता की सच्चाई को उजागर करते हुये मासूमो की जिन्दगी खतरे में दिखाई दे रही है?

क्षेत्र में बढ़ रही किसानों के कृषियंत्रों के चोरी होने की घटनाएं, चिंता में देखे जा रहे क्षेत्र के किसान

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय जिस प्रकार से क्षेत्र में चोरी की घटनाएं घटित हो रही है उसके चलते क्षेत्र के लोग लगातार दहशत की स्थिति में तो देखी ही जा रहे है। मगर अब स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि किसानों के खेतों पर रखे हुए कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं में बढ़ोत्तरी होने के कारण किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है? क्योंकि इस समय चल रहे कृषि कार्य के सीजन के चलते किसानों को सिंचाई हेतु मुश्किल से ही बिजली मिल पा रही है जिसके चलते किसान अपने खेतों में लगी हुई फसलों की सिंचाई बगैर ठंड की परवाह किये करने में लगा हुआ है। मगर जब देखा जाता है कि किसान अपने खेतों से थोडी देर के लिए जब अलग होता है तो वहां पर रखे हुए कृषियंत्रों पर अपने हाथ साफ करने वाले कोई मौका नही छोड़ रहे है जिसके चलते क्षेत्र के किसान दहशत में देखे जा रहे है इस प्रकार से किसानों के कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं के चलते जहां क्षेत्र के किसानों को आर्थिक क्षति का सामना तो करना ही पड़ रहा है। वही दूसरी ओर उनके कृषि कार्यो में भी काफी व्यवधान पैदा हो रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने मिल रहा हे। वही दूसरी ओर बताया जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में धडल्ले से चल रहे शराब के अवैध कारोबार का परिणाम ही है कि इस प्रकार से चोरी जैसी घटनाएं आम होती जा रही है..? क्योकि इस भीषण महंगाई के दौर में जब युवाओं को इस प्रकार से नशे की लत लग जाती है और उसे पूरी करने के लिए युवाओं के पास जब धन का आभाव होता है तो वह इस प्रकार से चोरी जैसे कदम उठाते हुए अपनी लत को पूरी करने से नही चूकते है? इस संबंध में लोगों का कहना है कि यदि गांव गांव बिक रही अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लग जावे तो निश्चित ही इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लगने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? वही किसानों के खेतों से लगातार हो रहे कृषियंत्रों की चोरी की शिकायते करने के बाद जब सिहोरा पुलिस चौकी से संपर्क किया जाता है तो उनके द्वारा कहा जाता है कि चोरों की खोजबीन जारी है, मगर अभी तक कोई पता नही चल पाया है?

खबर संक्षेप

शासकीय स्नातक महाविद्यालय शहपुरा में मनाया गया राष्ट्रीय गणित दिवस

शहपुरा - शासकीय स्नातक महाविद्यालय शहपुरा में महान गणितज्ञ श्री निवास रामानुजन की जयंती पर राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य अजय भूषण द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया । तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया, इसके बाद छात्रों द्वारा गणित पर मॉडल प्रस्तुत किए गए जिसमें भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत सभी भारतीय गणितज्ञ पर फोकस किया गया ।कार्यक्रम का आयोजन गणित विभाग के डॉ. ओमप्रकाश पटेल द्वारा किया गया ।कार्यक्रम में विशेष रूप से एस. बी उरैती, डॉ. बी. पी झारिया, डॉ. स्मिता, डॉ. किरण सिंह, डॉ आसफा, पारुलश्रीवास्तव ,डॉ. लीना शर्मा, राजदीप यादव एवं समस्त छात्र उपस्थिति रहे ।महाविद्यालय मे पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता पर प्रथम स्थान प्रभा साहू बीएससी तृतीय ईयर, द्वितीय स्थान विमला साहू बीएससी सेकंड ईयर औऱ तीसरा स्थान ताराबाई वरकडे नें प्राप्त किया साथ मे पार्टिसिपेट छात्र नेहा झरिया, अभिनव साहू, यामीनी झारिया, नारायणी दुबे, लक्ष्मी प्रसाद साहू,निशा साहू, तनीषा नें भाग लिया ।

मौसम में परिवर्तन की वजह से छाया रहा घना कोहरा

डिंडौरी- जिले में पिछले दो-तीन दिन से ठंड कुछ कम महसूस की जा रही है।न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की जा रही है। इसी क्रम में मौसम में परिवर्तन की वजह से सोमवार की सुबह घना कोहरा छाया रहा। कोहरा छाया होने के कारण सुबह सड़क पर दो पहिया समेत चारपहिया वाहन के ड्राइवर अपने अपने वाहन की हेड लाइट जलाकर आते जाते दिखाई दिए। आमजनो के रोजमर्रा के कार्य पर भी असर पड़ा। जानकारो के अनुसार कोहरा छटने के बाद ठंड और अधिक बढ़ेगी। वहीं किसानों के द्वारा फसलों के प्रभावित होने की संभावना भी व्यक्त की जा रही है। जिला मुख्यालय में भी सुबह घना कोहरा छाया रहा। नर्मदा नदी से आसपास भी कोहरा छाए होने से कुछ स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। सुबह करीबन 9 बजे तक कोहरा छाए होने के कारण सड़कों पर वाहन भी धीमी गति से आ जा रहे थे। सुबह के समय न्यूनतम तापमान 10 से 11 डिग्री सेल्सियस के करीब रहा। मौसम में आए परिवर्तन के कारण किसान भी खेतों में लगी फसलों को लेकर चिंतित है। किसानों ने बताया कि दलहनी फसल अरहर एवं मसूर में पाला पड़ने के कारण फसल झुलसने और चने की फसल में भी इल्लियां लगने की संभावना भी बढ़ गई है। किसानों को फसल बचाने के लिए कृषि विभाग द्वारा सलाह भी दी जा रही है। शहरी समेत ग्रामीण इलाकों में भी घना कोहरा की वजह से जनजीवन प्रभावित हुआ। कोहरा के बीच लोग गर्म कपड़े पहने दिखाई दिए, वहीं जगह जगह लोग आग जलाकर ठंड से बचते दिखाई दिए।

कृषि विभाग शहपुरा ने किसानों के साथ मनाया किसान दिवस

शहपुरा - सरकार द्वारा किसानों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी एवं जागरूक बनाने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किसान दिवस के रूप में मनाया गया। जिसमें भारी संख्या में किसानों सहित जनप्रतिनिधि व संस्था के कार्यकर्ता मौजूद रहे। कृषि अधिकारी गुमान सिंह के द्वारा किसानों को बताया गया कि बिना जुताई के सीधे बुवाई हैप्पीसीडर यंत्र के द्वारा करने से कम लागत में ज्यादा पैदावार किया जा सकता है । शाहपुरा क्षेत्र में हैप्पी सीडर से किसानों द्वारा फसल बोई गई।

धान उपार्जन केन्द्र मेंहदवानी में चल रही नियम विरुद्ध खरीदी

एसडीएम शहपुरा के निर्देशों का नहीं हो रहा पालन

मामला डिंडोरी जिला के मेंहदवानी मुख्यालय का

डिंडोरी जिला के मेंहदवानी मुख्यालय में धान उपार्जन केंद्र में केंद्र प्रभारी की मनमानी रवैया देखने को मिल रहा है जहां किसानों से खरीदी जा रही धान को सीधे सरकारी वारदाने में पलटी करने का काम और बिना चलनी के धान को खरीदा जा रहा है

हरिभूमि न्यूज, शहपुरा।

साथ ही धान उपार्जन केंद्र मेंहदवानी में देर शाम तक इस तरह की कालाबाजारी का काम किया जाता है जब मीडिया की टीम मौके पर पहुंची तो खुली रूप से इस तरह का काम चल रहा था तत्काल सूचना पर तहसीलदार मेंहदवानी मौके पर पहुंची और जांच के दौरान कमियां पाई तहसीलदार मेंहदवानी ने मीडिया को कार्यवाही की बात कही। जांच के दौरान पाया गया कि उपार्जन हेतु लाई गई धान को कृषक अपनी बोरियो से सीधे शासकीय बारदानो में पलट कर भर रहे है जबकि नियमानुसार उपार्जन केन्द्र पर कृषको को पहले अपनी धान को पृथक-पृथक ढेर लगाना चाहिये। उपार्जन केन्द्र पर नियुक्त सर्वेयर को गुणवत्ता परीक्षण करना चाहिये यदि धान FAQ मानक की नही है तो उसकी पर्याप्त साफ सफाई कृषको से करवाई जानी चाहिये। जांच के दौरान केन्द्र पर पंखे, छन्ने का उपयोग नहीं किया जाना पाया गया है। इस प्रकार उपार्जन नीति के विरूद्ध उपार्जन का कार्य किया जा रहा है। अब देखना होगा कि मेंहदवानी धान उपार्जन केंद्र में कब तक कार्यवाही की जाएगी।

इनका कहना है

शिकायत मिलने पर धान उपार्जन केंद्र मेंहदवानी का निरीक्षण किया गया एसडीएम महोदय का शहपुरा का साफ निर्देश है की किसानों का धान साफ लिया जाए लेकिन निर्देशित के बाद भी इस तरह की कमी है तो इनके एस ओ को शिकायत की जाएगी।

तहसीलदार मेंहदवानी

25 सालों से ग्रामीणों ने जंगल को बचाने की छेड़ रखी मुहिम

एक पेड़ काटने पर 10 हजार रूपये का दिया जाता है दंड

ग्रामींणों ने अब तक कमाये 20 लाख रूपये

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी

जिले के पड़रिया डोंगरी गांव के ग्रामीण पर्यावरण संरक्षण के लिए मिसाल हैं दरअसल पिछले 25 सालों से ग्रामीणों ने जंगल को बचाने की मुहिम छेड़ रखी है। गांव की सीमा पर करीब 40 एकड़ भूमि में लगे हजारों पेड़ों की पहरेदारी ग्रामीण खुद करते हैं और पेड़ काटने वाले व्यक्ति पर प्रत्येक पेड़ के हिसाब से 10 हजार रूपये के अर्थदंड से दंडित भी किया जाता है। जंगल की सुरक्षा के लिए ग्रामीणों ने गांव में वन सुरक्षा समिति का गठन किया गया है जिसमें गांव के जागरूक लोगों को शामिल किया गया है। इस जंगल से ग्रामीण अबतक करीब 20 लाख रूपये कमा चुके हैं और कमाये हुए पैसों को ग्राम के विकास कार्यों में एवं जरूरतमंदों को आर्थिक मदद देकर खर्च किया जाता है।

40 एकड़ में इमारती और फलदार वृक्ष

ये है बजाग विकासखंड का पड़रिया डोंगरी गांव जहाँ दो गाँवों के सरहद पर 40 एकड़ में हजारों की तादात में फलदार,इमारती व औषधीय पेड़ पौधे लगे हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जंगल को डोंगर या डोंगरी कहते हैं लिहाजा गांव को पड़रिया डोंगरी के नाम से जाना जाता है। ग्रामीण बताते हैं की वर्ष 1994 में यहां चारों तरफ सिर्फ कटे हुए पेड़ों के ठूंठ नजर आते थे तब ग्रामीणों ने फैसला किया की इस जगह को हरे भरे जंगल में तब्दील किया जायेगा और पूरा गाँव शिद्दत के साथ इस नेक काम में जुट गया। पहले यहाँ पौधे लगाए गए और फिर ग्रामीणों ने बारी बारी से पौधों की देखरेख व पहरेदारी शुरू की तब कहीं जाकर सालों बाद ये जंगल तैयार हो पाया।

एक पेड़ काटने में 10 हजार अर्थदंड

ग्रामीणों ने बताया की पहले पेड़ काटने वाले व्यक्ति को 5 हजार जुर्माने से दंडित किया जाता था जिसे बढाकर अब 10 हजार रूपये कर दिया गया है। ग्रामीण जंगल की देखभाल करने के साथ वानिकी कार्य भी करते हैं जिससे होने वाली कमाई को गाँव के विकास में एवं जरूरतमंदों की मदद में खर्च किया जाता है। ग्रामीणों की इस पहल की चर्चा पूरे इलाके में है पेड़ों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध ग्रामींण बतलाते है कि इनके रख रखाव में समय लगता है लेकिन उसके बाद इनसे मिलने वाला फायदा भी कम नही है । ग्रामींणों ने इस बावद दूसरों को भी संदेष दे रहे है कि वनो की सुरक्षा पर्यावरण के लिए कितना जरूरी है और इससे फायदे भी गिना रहे है। कुछ वर्षो की मेहनत रंग लाने लगी है और ग्राम के विकास के साथ जरूरतमंदों को भी लाभ मिला है।

इनका कहना है -

ग्रामींणों की अच्छी पहल है हमारे द्वारा भी वनों को सुरक्षित रखने के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

एस के जाटव एसडीओ वन विभाग डिण्डौरी

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से स्वरोजगार को मिल रहा बढ़ावा

डिंडौरी। जून 2020 से प्रारंभ प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना आज स्ट्रीट वेंडर और छोटे व्यवसायियों के लिए उपयोगी साबित हो रही है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की शुरूआत स्ट्रीट वेंडरों और छोटे व्यवसायियों को कार्यशील पूंजीऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। योजना के तहत एक वर्ष की अवधि के लिए बिना किसी गारंटी के 10 हजार रूपए तक की कार्यशील पूंजी ऋण की सुविधा प्रदान की जाती है। समय पर इस ऋण का पुर्नभुगतान करने पर 20 हजार रूपए ऋण की दूसरी और 50 हजार रूपए ऋण की किस्त की सुविधा प्रदान की जा रही है। योजना के तहत प्रतिवर्ष 1200 रूपए तक कैशबेक के माध्यम से डिजीटल लेनदेन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। योजना के तहत जिले के रेहडी, स्ट्रीट वेंडर, छोटे व्यवसायियों को ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। ऋण प्राप्त करने के लिए विक्रेता के पास शहरी स्थानीय निकायों द्वारा जारी वेंडिंग प्रमाण पत्र या पहचान पत्र होना आवश्यक है। योजना का क्रियान्वयन शहरी आजीविका मिशन के माध्यम से किया जा रहा है। योजना के माध्यम से जहां एक ओर छोटे व्यवसायियों को आवश्यक ऋण उपलब्ध हो रहा है वहीं दूसरी ओर डिजीटल पेमेंट को भी बढ़ावा मिल रहा है। शहरी आजीविका मिशन प्रबंधक श्रीमती श्वेता तिवारी ने बताया कि पीएम स्वनिधि के माध्यम से जिले में दो हजार से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं एवं लगातार ऋण आवेदनों को स्वीकृत किया जा रहा है। पीएम स्वनिधि योजना से ऋण प्राप्त कर मनोज मिश्रा की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। उनकी आर्थिक स्थिति पूर्व में ठीक नहीं थी, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के संबंध में जानकारी मिलने पर उन्हें आजीविका मिशन के सहयोग से यूनियन बैंक के द्वारा 10 हजार रूपए की प्रथम किस्त प्राप्त हुई, जिससे प्रारंभिक तौर पर व्यवसाय करने में सुविधा हुई। व्यवसाय में वृद्धि के साथ मनोज मिश्रा के द्वारा प्रथम किस्त की राशि चुकाने के बाद 20 हजार रूपए की दूसरी किस्त प्राप्त हुई तथा इसी क्रम में उन्हें 50 हजार रूपए की तीसरी किस्त भी व्यवसाय में वृद्धि करने के लिए प्रदान की गई। पीएम स्वनिधि के माध्यम से आज मनोज मिश्रा की जीवन में एक बदलाव आया है और उनकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार हुआ है। इसी प्रकार नगर क्षेत्र के सीताराम गुप्ता, श्रीमती अर्चना चैरसिया, दीपचंद जैसे अनेकों लोगों को पीएम स्वनिधि के माध्यम से ऋण प्राप्त हुआ है जिससे उनके जीवन में सार्थक बदलाव आया है। पीएम स्वनिधि योजना ऐसे सभी छोटे व्यवसायियों के लिए एवं स्वरोजगार को प्रेरित करने के लिए उपयोगी साबित हो रही है।

चैकिंग के दौरान 15 वाहन चालकों पर की गई चालानी कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी।

सोमवार 23 दिसम्बर को पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह के नेतृत्व में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से अवंती बाई चौक में यातायात स्टाफ के साथ मिलकर सघन वाहन चैकिंग की गयी। उक्त अभियान में पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह ने नाबालिग बच्चों द्वारा गाडी चलाते पाये जाने पर उनके परिजनों को मौके पर बुलवाकर समझाईश दी। साथ ही नाबालिग बच्चों, ट्रिपल सवारी, बिना हैलमेट एवं अन्य यातायात के नियमों का पालन न करने वाले 15 चालकों पर चालानी कार्यवाही की गयी। यातायात के नियमों का पालन न करने वालों पर अंकुश लगाने के लिये डिण्डौरी पुलिस लगातार अभियान चला रही है। यातायात पुलिस स्टाफ द्वारा लोगों को यातायात के नियमों की जानकारी देने के लिये लगातार यातायात जागरूकता कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है, जगह-जगह पोस्टर बैनर के माध्यम से लोगां से यातायात के नियमों का पालन करने की अपील की जा रही है ।कार्यवाही के दौरान थाना प्रभारी यातायात श्री सुभाष उइके, सहायक उपनिरीक्षक तेजू सिंह राजपूत, रामरूप विश्वकर्मा एवं अन्य यातायात स्टाफ उपस्थित रहा ।

धूम धाम से निकली भगवान श्री कृष्ण की बारात

हरिभूमि न्यूज शहपुरा-नगर के वार्ड क्रमांक 1 में चल रही श्री मद भागवत कथा सप्ताह में भगवान श्रीकृष्ण रुक्मणि विवाह के प्रसंग पर भगवान की बारात बाजे गाजे के साथ धूम धाम से नगर में निकली है हजारों की संख्या में श्रद्धालु बाराती बन बारात में शामिल हुई भगवान कृष्ण रुक्मणि का जयमाला के साथ विवाह संपन्न हुआ इसके पश्चात कृष्ण और सुदामा की मित्रता का प्रसंग संपन्न हुआ भागवत कथा के मुख्य यजमान शिवराम रजक सीता रजक ने कन्यादान की रस्म कर भगवान का विवाह संपन्न कराया कथा वाचक पंडित अनादि मिश्र ने भगवान के विवाह एवं कृष्ण सुदामा की मित्रता के प्रसंग का विस्तृत वर्णन किया।

जन अभियान परिषद ब्लॉक शहपुरा के बीसी ने 5 मेंटरों को किया कार्य मुक्त

जन अभियान परिषद शहपुरा में बीसी के खिलाफ छात्रों ने खोला मोर्चा

कक्षा बहिष्कार कर,पुराने मेंटरो को वापस लेने की रखी मांग

हरिभूमि न्यूज शहपुरा

डिंडौरी जिले के शहपुरा विकासखंड में जन अभियान परिषद के पांच मेंटर्स द्वारा ब्लॉक समन्वयक नीलेश्वरी वैश्य के व्यवहार को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। आरोप है कि मैडम द्वारा लगातार मानसिक प्रताड़ना, अपशब्दों का उपयोग, और धमकियां दी जा रही थीं, जिससे मेंटर्स को कार्य करना मुश्किल हो गया।

विवाद की शुरुआत

3 नवंबर 2024 को ब्लॉक समन्वयक नीलेश्वरी वैश्य पर आरोप लगाए गए कि उन्होंने मेंटर्स के साथ बदतमीजी और अपशब्दों का उपयोग किया। मेंटर्स का कहना है कि मैडम नियमित रूप से जनपद कार्यालय में उपस्थित नहीं रहतीं और उनके प्रति पक्षपाती व्यवहार करती हैं। इस तनाव के बीच 6 नवंबर को जिला समन्वयक द्वारा सुलह-समझौते की कोशिश की गई, लेकिन मैडम का व्यवहार नहीं बदला।

मेंटर्स ने कलेक्टर को सौपा सामूहिक आवेदन

10 दिसंबर 2024 को सभी मेंटर्स ने कलेक्टर को सामूहिक आवेदन देकर शिकायत की। इस पर जिला समन्वयक को जांच और प्रतिवेदन सौंपने का निर्देश दिया गया। इसके बाद बैठक में मेंटर्स ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे बीसी मैडम के साथ कार्य नहीं कर सकते।

सेवा समाप्ति और विरोध

21 दिसंबर 2024 को बीसी मैडम ने अपने स्तर पर पांचों मेंटर्स की सेवा समाप्ति का पत्र जारी कर दिया। अगले दिन, 22 दिसंबर 2024 को, मैडम नए मेंटर्स को लेकर क्लास में पहुंचीं। इस कदम का छात्रों ने विरोध किया और नए मेंटर्स के खिलाफ क्लास का बहिष्कार कर दिया। छात्रों ने कहा कि वे केवल पुराने मेंटर्स के साथ ही पढ़ाई करेंगे।

आगे की कार्रवाई पर नजर

छात्रों और मेंटर्स के इस विरोध के बाद स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। अब सबकी नजर जिला प्रशासन और कलेक्टर के अगले कदम पर है। मेंटर्स ने अपील की है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जाए और उचित न्याय दिया जाए। वही छात्रों ने भी क्लास का बहिष्कार कर पुराने मेंटर्स को फिर से वापस लेने की मांग की है।यह मामला स्थानीय प्रशासन के लिए एक चुनौती बन गया है और उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही इस पर कोई समाधान निकलेगा।

जिला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी ।

भारत सरकार व राज्य शासन के निर्देशानुसार वर्ष 2024 में नेहरू युवा केन्द्र, राष्ट्रीय सेवा योजना व खेल और युवा कल्याण के संयुक्त तत्वाधान में ''जिला स्तरीय युवा उत्सव 2024'' का आयोजन 23 दिसम्बर 2024 को जिला मुख्यालय स्थित आनंदम दीदी कैफे डिण्डौरी में सम्पन्न हुआ। जिसमें 07 विधाएं विज्ञान मेला एकल, विज्ञान मेला समूह, लोकनृत्य समूह, कविता/कहानी लेखन, भाषण, पेटिंग, मोबाईल फोटोग्राफी विधाएं शामिल रहीं। युवा उत्सव का आयोजन पंचप्रण विषय पर आधारित रहा। जिसमें जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्था/महाविद्यायल, आई.टी.आई., पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, नवोदय विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय एवं अन्य विद्यालयों के 15 से 29 वर्ष के युवा प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर 322 युवा शामिल हुए। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथियों स्वामी विवेकानंद एवं मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्वलित कर भाषण प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर, जिला सदस्य श्रीमती हीरा सिंह परस्ते , जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी मोहम्मद अहमद खान, कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. आई.सी. परणा, श्रीमती प्रगतिसाहू, श्रीमती रजनी कुम्हरे, आर.पी. कुशवाहा नेहरू युवा केन्द्र डिण्डौरी उपस्थित रहे। जिला स्तरीय युवा उत्सव 2024 में विज्ञान मेला एकल में प्रथम पंकज मरावी को

3000 रू., द्वितीय स्नेहा श्रीवास्तव को 2000 रू., तृतीय अजय यादव को 1500 रू., विज्ञान मेला समूह में प्रथम उत्कृष्ट विद्यायल डिण्डौरी को 7000 रूपए, द्वितीय आई.टी.आई. डिण्डौरी को 5000 रूपए, लोकनृत्य समूह में प्रथम पीएम श्रीचन्द्रविजय महाविद्यालय डिण्डौरी को 7000 रूपए, भाषण में प्रथम हुसैनी सुजात को 5000 रूपए, द्वितीय यशस्वी राव को 2500 रूपए, तृतीय रितिका भट्ट को 1500 रूपए, कहानी/कविता लेखन में प्रथम रागिनी ब्यौहार को 2500 रूपए, द्वितीय मनाली धुर्वे को 1500 रूपए, तृतीय योगिता दुबे को 1000 रूपए, चित्रकला में प्रथम तनिष्क बैरागी को 2500 रूपए, द्वितीय अबीर नामदेव को 1500 रूपए, तृतीय धरा मरावी को 1000 रू., मोबाईल फोटोग्राफी में प्रथम तनिष को 2500 रूपए, द्वितीय भीष्म को 1500 रूपए एवं तृतीय सौम्या अहिरवार को 1000 रूपए के चैक प्रदाय कर सम्मानित किया गया। युवा उत्सव कार्यक्रम में हर विधा के तीन-तीन निर्णायक विषय विशेषज्ञ रहे जिन्होंने बड़ी बारीकी के साथ परीक्षण उपरांत खिलाड़ियों का चयन किया कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि डिंडौरी विधायक श्री ओमकार मरकाम ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए एवं निर्णायकों मो. इमरान खान, डॉ. मेद्या परस्ते, डॉ. स्वर्णिम पटेल, अनुराग कुमार साहू, डॉ. राघवेन्द्र साकेत, अलका विश्वकर्मा, विधि तिवारी, रवीन्द्र सिंह, शक्ति पटेल, डॉ. बिजलेश धुर्वे, सूर्य प्रताप सिंह, धर्मेन्द्र सोनकर, बन्धु सिंह मरावी, के.एल. महोबिया, सूर्यकांत सोनवानी, अमित कुमार, वैशाली धुर्वे, योगेश्वर वर्मा, विनोद कांसकार, पवन चौरसिया को मंच पर बुलाकर स्वागत अभिवादन किये। विधायक श्री मरकाम ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश में युवाओं के लिए किए जा रहे सरकारी प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि हमारा देश युवाओं का देश है। युवा ही हमारी सम्पत्ति एवं संसाधन है, इसलिए हमारे समाज में युवा अपनी शक्ति को सही दिशा में लगायें एवं अपने अंदर के कौशल को समाज के लिए उपयोग करें। युवा उत्सव के सफलतापूर्वक आयोजन में श्री चेतराम अहिरवार, कु. आरती सोंधिया, श्रीमती संतोषी यादव, श्रीमती लक्ष्मी बनावल, श्रीमती उषा मानिकपुरी, श्रीमती सुनीता धुर्वे, कैलाश रजक, सुखना सिंह पन्द्राम, नारायण सिंह मरावी, रोशन बाबू झारिया, राजकुमार धुर्वे, अजीत धुर्वे, नीरज कुमार बच्चैहा, देवेन्द्र बर्मन का सराहनीय सहयोग रहा।

खबर संक्षेप

नहीं रहीं सिया बाई

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस तेंदूखेड़ा के प्रतिष्ठित पाटकार परिवार के कमलेश पाटकार मिथलेश पाटकार शिक्षक की पूज्य माता जी श्रीमती सिया बाई पाटकार का दुखद निधन हो जाने पर नगर के सभी वर्गों के लोगों ने श्रंद्धाजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस आज

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 24 दिसम्बर को जिला मुख्यालय के जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान नरसिंहपुर में प्रातः 11 बजे से कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस दौरान खाद्य एवं नागरिक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, नापतौल, शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, अनुसूचित जाति/ जनजाति, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, बीमा, परिवहन, ऑयल कंपनी, बिजली कंपनी, दूरसंचार आदि के जिला स्तरीय अधिकारी अपने विभाग से संबंधित सेवाओं अधिकारों के संबंध में उपभोक्ताओं को जानकारी देंगे। उपभोक्ताओं को उनके प्रति जागरूक करने के लिए संबंधित विभाग द्वारा कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनी भी लगायेंगे। यह जानकारी जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

समय सीमा की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक ली। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, एसडीएम और विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख मौजूद थे। सीईओ जिला पंचायत ने बताया कि कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देश व मार्गदर्शन में सीएम हेल्पलाइन का संतुष्टि पूर्ण निराकरण करने में नरसिंहपुर जिले को मध्यप्रदेश में ए ग्रेडिंग प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में नवंबर माह में कुल 5 हजार 197 शिकायतें प्राप्त हुईं थीं, जिनका 49.27 प्रतिशत संबंधित शिकायतकर्ता से संपर्क कर संतुष्टि पूर्वक निराकरण किया गया। इसके अलावा 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का वेटेज 12.12 प्रतिशत, निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों का वेटेज 10 प्रतिशत, नॉन अटेंडेंट शिकायतों का वेटेज 9.95 प्रतिशत है। इस प्रकार कुल वेटेज स्कोर 81.34 प्रतिशत रहा और जिले ने ष्एष ग्रेड प्राप्त किया। बैठक में सीईओ जिला पंचायत जनकल्याण पर्व के तहत जिले में लगाये जा रहे शिविरों और शिविर में आने वाले आवेदनों के निराकरण की भी विस्तृत समीक्षा की।

बंटवारा, सीमांकन के प्राप्त आवेदनों पर की जा रही कार्रवाई

राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत हो रहा निराकरण

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। जिले में सुशासन सप्ताह के अंतर्गत प्रशासन गांव की ओर के अंतर्गत मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत लंबित राजस्व प्रकरणों का भी निराकरण किया जा रहा है। जिले में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में राजस्व विभाग के अधिकारी- कर्मचारी द्वारा जिले में राजस्व प्रकरणों के निराकरण का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान 22 दिसम्बर तक बंटवारा, सीमांकन और परम्परागत रास्तों का चिन्हांकन का कार्य शत प्रतिशत किया जा चुका है। वहीं दूसरी नामांतरण, अभिलेख दुरस्ती, नक्शा अद्यतन, आधार से आरओआर खसरे की लिंकिंग और फार्मर रजिस्ट्री के कार्य किये जा रहे हैं।

राजस्व महाअभियान 3.0 के अंतर्गत 22 दिसम्बर तक जिले में बंटवारा संबंधी शत प्रतिशत 126 प्रकरणों, सीमांकन संबंधी शत प्रतिशत 61 प्रकरणों और परम्परागत रास्तों का शत प्रतिशत 8 चिन्हांकन किया जा चुका है। अन्य राजस्व संबंधी नामांतरण के 865, अभिलेख दुरुस्ती के 58, नक्शा अद्यतन के 50 हजार 619, आधार से आरओआर खसरे की 22 हजार 797 की लिंकिंग और 28 हजार 177 फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया जा चुका है। इस तरह जिले में नामांतरण के 98.86 प्रतिशत, अभिलेख दुरुस्ती 80.56 प्रतिशत, नक्शा अद्यतन के

14.14 प्रतिशत और फार्मर रजिस्ट्री 27.48 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की है।

राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत जिले में नामांतरण के 865 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है, जो 98.86 प्रतिशत है। इसके तहत तहसील करेली में 61, गोटेगांव में 183 व तेंदूखेड़ा में 138 शतप्रतिशत कार्य किया जा चुका है। वहीं दूसरी ओर तहसील सांईखेड़ा में 57 जो 98.28 प्रतिशत, गाडरवारा में 258 जो 97.36 प्रतिशत और नरसिंहपुर में 168 जो 98.82 प्रतिशत है। अभिलेख दुरूस्ती के 58 प्रकरणों का निराकरण गया है, जो 80.56 प्रतिशत है। इसके तहत तहसील नरसिंहपुर में शतप्रतिशत 6, करेली 6 जो 66.67 प्रतिशत, गाडरवारा में 37 जो 80.43 प्रतिशत, सांईखेड़ा में 4 जो 80 प्रतिशत और तेंदूखेड़ा में 5 जो 83.33 प्रतिशत है।

राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत 50 हजार 619 नक्शा अद्यतन किया जा चुका है, जिसमें तहसील करेली में 7 हजार 617, नरसिंहपुर में 10 हजार 288, गोटेगांव में 8 हजार 874, सांईखेड़ा में 6 हजार 13, गाडरवारा में 12 हजार 440 और तेंदूखेड़ा में 5 हजार 387 शामिल हैं। इसी तरह 22 हजार 797 आधार से आरओआर खसरे लिंकिंग की जा चुकी है, जिसमें तहसील नरसिंहपुर में 5 हजार 311, सांईखेड़ा में 2 हजार 416, गाडरवारा में 5 हजार 959, गोटेगांव में एक हजार 876, करेली में 6 हजार 219 और तेंदूखेड़ा में एक हजार 16 आधार से आरओआर खसरे की लिंकिंग का कार्य किया जा चुका है। जिले में 28 हजार 177 फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया जा चुका है। तहसील नरसिंहपुर के अंतर्गत 4 हजार 381, सांईखेड़ा के अंतर्गत 3 हजार 426, करेली के अंतर्गत 3 हजार 293, गोटेगांव के अंतर्गत 5 हजार 647, गाडरवारा के अंतर्गत 8 हजार 115 और तेंदूखेड़ा के अंतर्गत 3 हजार 315 फार्मर रजिस्ट्री के कार्य किये जा चुके हैं।

जन कल्याण पर्व के तहत कैरियर काउंसिल का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश शासन द्वारा मनाए जा रहे जन कल्याण पर्व के तहत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय विद्यालयों में करियर काउंसिल आयोजित की जा रही। शा. कृ. उ. मा. विद्यालय बरहटा 9वीं से 12वीं कक्षाओं के लिए करियर काउंसिल सभा का आयोजन हुआ। इसमें क्षेत्र के शासकीय चिकित्सक डॉ नंदकिशोर महलवार ने जीव विज्ञान विषय में करियर विकल्पों परीक्षा, रेडियोलॉजी, नर्सिंग आदि के बारे में जानकारी दी। आई. टी. विशेषज्ञ प्रकाश दुबे ने टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में जॉब उपलब्धता एवं उच्च शिक्षा के बारे में बताया। विद्यालय के प्राचार्य शैलेन्द्र बख्शी ने विद्यार्थियों को

स्वानुशासन, समय पालन करते हुए निरंतर प्रयास करने की शिक्षा दी और इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों, स्टाफ एवं कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। इस मौके पर मंच संचालन तरुवर पटेल जीव विज्ञान शिक्षक ने किया। विद्यालय के अन्य शिक्षक श्री किनकर, श्री झरिया, श्री गनी मो., श्री कोरी, श्री सिगोटिया, श्री गुप्ता, श्री पूषाम, भावना मिश्रा, अमित, शंकर राजभर आदि उपस्थित रहे एवं विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन दिया। विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा के द्वारा छात्र-छात्राओं को ध्यान सत्र आयोजित किया गया। जिसमें विद्यार्थियों में होने वाले तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, नकारात्मक तत्वों से जूझने की चुनौती एवं मानसिक रूप से होने वाले विभिन्न परेशानियों से निजात पाने के लिए ध्यान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

स्कूली विद्यार्थियों को दी जा रही यातायात नियमों की जानकारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका के नेतृत्व में जिले में यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। यातायात पुलिस की टीमों द्वारा लगातार जिले के विभिन्न स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों को यातायात नियमों के संबंध में जानकारी दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक श्रीमती डेका के निर्देशन में जिले के समस्त एसडीओपी, थाना प्रभारियों व यातायात प्रभारी को सख्त निर्देश दिये गये हैं कि वे अपने- अपने क्षेत्रों में अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि स्कूली बच्चों को परिवहन के समय बेहतरीन सुरक्षा मुहैया कराना है। इसके लिए जिले में चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत सभी स्कूलों में विद्यार्थियों को आने- जाने के दौरान पुलिस टीम द्वारा नजर रखी जाएगी, जिससे बच्चों को बेहतर सुरक्षा मुहैया कराई जा सके। अभियान के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर स्कूली बसों के संचालकों को निर्देश दिये कि बच्चों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाये। बसों में समस्त सुरक्षा उपकरण हो। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारी एवं यातायात प्रभारी को निर्देश दिये हैं कि बस ड्राइवर व कंडक्टर का चरित्र सत्यापन कराया जाए एवं बसों के समस्त आवश्यक दस्तावेजों का अवलोकन किया जाये।

3 बसों से नर्मदा परिक्रमा के लिये रवाना हुए श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मां नर्मदा परिक्रमा के लिए जनपद कॉम्प्लेक्स से तीन बस रवाना की गई। समाजसेवी मनीष जाट काका ने 15 दिवसीय यात्रा के लिए यात्रा निशुल्क की है। जनपद कॉम्प्लेक्स से बस मां नर्मदा तट बरमान पहुंची। यहां पर मनीष जाट सहित उनके अन्य सहयोगी साथियों ने यात्रियों का स्वागत किया और सभी के साथ सामूहिक पूजा कर प्रसादी के पश्चात बसें रवाना की। यात्रा में शामिल गंगाराम पटेल, मनीराम विश्वकर्मा, सरोज बाई, शांतिबाई, भगवती बाई, राघवेंद्र सिंह, नरेश कुमार आदि यात्रियों ने बताया कि समाजसेवी मनीष जाट द्वारा हमेशा जरूरतमंदों के लिए सहयोग किया जाता है इस यात्रा में हम सब लोग जरूरतमंद हैं जो कभी मां नर्मदा की परिक्रमा बस से संभवत नहीं कर पाते। सभी यात्रियों ने समुचित व्यवस्था के साथ यात्रा करने के लिए श्री जाट के प्रति आभार व्यक्त किया है। उक्त मौके पर यात्रा को सफल कराने में विशेष सहयोगी पंकज नेमा, उदय नारायण यादव, विवेक पटेल, प्रकाश चैकसे, विवेक चैकसे, देवलाल यादव, नीलेश जाट के अलावा नरेंद्र पटेल, सुनील सूर्यवंशी, हीरालाल यादव, शिरीष वंशकार के साथ बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग मौजूद थे।

आपदा प्रबंधन के तहत बचाव की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन व डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट टीआर चौहान के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चांवरपाठा में कार्यरत स्टाफ को जन जागृति एवं आपदा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में टीम द्वारा इम्प्रूवाइज मेथड से तैराक सामग्री तैयार करने, आग लगने पर सावधानियां, आग बुझाने के तरीके, भूकंप संबंधित जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण प्लाटून कमांडर वीरेन्द्र सूर्यवंशी, एसटीआरएफ एवं होमगार्ड की टीम द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में आग बुझाने के तरीके बताये गये। सिलेंडर में आग लगने पर कंबल या किसी मोटे कपड़े को पानी से गिला कर सिलेंडर के चारों तरफ तेजी से लपेट दें, इससे ज्वलन में सहायक ऑक्सीजन कट हो

जाएगा। आग लगने पर अगर अग्निशामक यंत्र चलाना जानते हैं, तो उसे सक्रिय करें। इस दौरान आग लगने पर की जाने वाली सावधानियाँ के बारे में भी विस्तार से बताया गया। उन्होंने बताया कि आग लगने पर तुरंत बाहर निकल जाएं और बाहर ही रहें। अगर आग बिजली के तारों या शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है, तो पानी का इस्तेमाल न करें। आग लगने पर तुरंत बिजली का मेन स्विच बंद कर दें। अगर कपड़ों पर आग लगी है, तो जमीन पर लेटकर रोल होने का अभ्यास करें। प्रशिक्षण में भूकंप से बचाव के बारे में बताया गया कि भूकंप आने पर जमीन पर लेट जायें। किसी मजबूत टेबल या फर्नीचर के नीचे छिप जाएं। अगर फर्नीचर के नीचे नहीं जा पा रहे हैं, तो इमारत के अंदर के कोने में दुबक जायें। अपना सिर और चेहरा ढक लें। बाहरी दीवारों और सीढ़ियों से बचें। पानी, गैस तथा बिजली के स्विचों को बंद कर दें।

रिश्वतखोर एस डी एम को कठोर कारावास

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। न्यायालय विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, नरसिंहपुर अखिलेश कुमार धाकड़ के न्यायालय द्वारा आरोपी आर. के. बंशकार एसडीएम राजस्व विभाग गोटेगांव जिला नरसिंहपुर को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7(क) के आरोप के लिये 04 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 5000 रुपये के अर्थदंड एवं धारा 13(2) के आरोप के लिये 05 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 7000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। अभियोजन के द्वारा साक्षियों का परीक्षण कराया गया तत्पश्चात मौखिक तर्क प्रस्तुत किये गये जिनसे सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी आर. के. बंशकार एसडीएम राजस्व विभाग गोटेगांव जिला नरसिंहपुर को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7(क) के आरोप के लिये 04 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 5000 रुपये के अर्थदंड एवं धारा 13 (2) के आरोप के लिये 05 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 7000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रार्थी की मृत्यु हो जाने के कारण उसे न्यायालय में परीक्षित नहीं कराया जा सका था, उसके बाद भी अभियोजन ने संदेह से परे मामले को प्रमाणित किया जिसके परिणामस्वरूप विशेष न्यायाधीश के द्वारा आरोपी को दोषसिद्ध घोषित किया गया।

ओलंपियाड परीक्षा आज, 3628 छात्र-छात्राएं होंगे शामिल

तेंदूखेड़ा। चांवरपाठा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालय में अध्यनरत कक्षा दूसरी से आठवीं तक के 3628 छात्राओं के लिए ओलंपियाड परीक्षा जनशिक्षा केंद्रों पर प्राथमिक स्तर प्रथम चरण की परीक्षाएं आज आयोजित कराई जाएगी। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार कक्षा दूसरी से कक्षा 5 तक सुबह 11 से दोपहर 1 तक माध्यमिक कक्षा 6 से कक्षा 8 तक सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक संपन्न होगी। प्रत्येक जनशिक्षा केंद्र प्रभारी परीक्षा के केंद्राध्यक्ष नियुक्त किए जाएंगे। विद्यार्थियों की 100 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी सभी प्रधान पाठकों एवं शिक्षकों को दायित्व प्रदान किए गए हैं। 20 विद्यार्थियों पर एक परीक्षक नियुक्त किए जाएंगे। डेस्क की सुविधा सुनिश्चित करने के साथ उपलब्ध ना होने पर राइटिंग पैड उपलब्ध कराए जाएंगे। विद्यार्थियों को जनशिक्षा केंद्र तक लाने ले जाने की जिम्मेदारी प्रधान अध्यापक की होगी। प्रति विद्यार्थी 50 रूपये शाला प्रबंधन मद से व्यय किया जाएगा। प्रश्न पत्र ओएमआर शीट और उपस्थिति पत्रक ब्लॉक और जन शिक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए रूट चार्ट तैयार किया गया है। परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले यानी सुबह 10:30 बजे ओएमआर शीट वितरित की जाएगी। पर्यवेक्षक सुनिश्चित करेंगे कि सभी परीक्षार्थी ओएमआर शीट पर रोल नंबर नाम और कक्षा की सही जानकारी भरें ओएमआर शीट को नीले काले बालपन या फिर पेंसिल से भरा जा सकेगा। वहीं परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी छात्राओं के लिए भोजन की विशेष व्यवस्था की जाएगी। प्रति विद्यार्थी 30 रुपए राशि निर्धारित की गई है। सभी शिक्षक इस ओलंपियाड का आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य किया जा रहा है। जिससे बच्चे अपने तार्किक ज्ञान को बढ़ाकर शासन की इस योजना का लाभ ले सकें।

गोटेगांव कुंडा मार्ग हुआ खस्ताहाल

गोटेगांव- स्थानीय नगर से लाठगांव होते हुए कुंडा की सीमा तक लोनिवि ने डामरीकरण सड़क बनाई है। इसके बाद सिवनी जिले के धूमा गांव तक जाने के लिए यहां पर सीसी सड़क का निर्माण किया गया है। गोटेगांव से लाठगांव होते हुए कुंडा तक की सड़क को कई बार निर्मित कराया जा चुका है।मगर हर साल इस हिस्से की सड़क पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो जाती है। हाल ही में लोक निर्माण विभाग के द्वारा सुधार कार्य करवाया गया था। इसके बाद भी उक्त सड़क की हालत फिर यथावत हो गई है। जगह-जगह पर गड्ढे हो जाने पर गोटेगांव से लाठगांव होते कुंडा गांव तक बदहाल सड़क से निकलने वाले लोग अत्यंत परेशान होते रहते हैं। इस हिस्से में अनेक गांव मौजूद हैं। वहीं इस सड़क से आस-पास के गांव भी लगे हुए हैं।सड़क की खराबी से परेशान नागरिक कह रहे हैं कि लोक निर्माण विभाग गोटेगांव से लाठगांव होते हुए कुंडा तक सीसी सड़क का निर्माण कराने प्रस्ताव शासन के पास पहुंचाए। ताकि इसकी राशि स्वीकृत हो सके। इस हिस्से में डामर सड़क का निर्माण सफल नहीं हो पा रहा है। इसलिए हर साल सड़क की हालत खराब हो रही है। इस हिस्से को छोड़ कर सभी हिस्से में सीसी सड़क है। इसके निर्माण हो जाने से आस पास के गांव के लोगों को जो परेशानी होती है उससे भी राहत मिल जाएगी।वही गोटेगांव से परमहंसी होते हुए कुंडा तक सीसी रोड अवश्य है। मगर इसका उपयोग कम ही होता है, क्योंकि गोटेगांव से लाठगांव होकर कुंडा तक पहुंचने की दूरी कम है। इसलिए यहां से भारी वाहन वाले अधिक निकलते रहते हैं। यदि उक्त हिस्से में सीसी सड़क का निर्माण करवा दिया जाता है तो उचित रहेगा और इससे सड़क पूरी तरह से सीसी क्रांक्रीट की हो जाएगी जिससे सड़क पर मौजूद गांव वालों को अत्यधिक लाभ मिलेगा।

पुराने हरे पेढ़ों की बिना मंजूरी के हो रही अवैध कटाई

गोटेगांव। तहसील के अंतर्गत वन विभाग की बिना मंजूरी के ग्रामीण अंचलों में भारी भरकम हरे पेड़ काट कर उसकी लकड़ी को सड़क किनारे रखा जा रहा है। किसानों की मेढ़ एवं अन्य स्थल पर सालों पुराने पेड़ लगे हुए है। जिनको वनविभाग की बिना मंजूरी के काटे जा रहे हैं।जहां एक ओर बिगड़ते पर्यावरण को सुधारने की दिशा में पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर सालों पुराने पेड़ों की अवैध कटाई का कार्य चल रहा है। सालों पुराने मोटे पेड़ों की कटाई करने के बाद उस लकड़ी को बाहर पहुंचाने के मकसद से सड़क किनारे रखे गए है। कुकलाह से सालीवाड़ा रोड पर सड़क किनारे ऐसे पेड़ों की लकड़ी कटी हुई रखी हुई है। जिस समय पेड़ों की कटाई होती है या उसकी ढुलाई का कार्य होता है। उस वक्त वन विभाग का अमला ऐसी लकड़ी को पकड़ने की दिशा में सत कदम नहीं उठाता है। जिसके कारण सालों पुराने पेड़ काटने वालों के हौंसले बुलंद होते हैं।

सेवा और समर्पण के भाव के साथ मनाया जा रहा सेवा सप्ताह

मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन के सचिव इंजीनियर सरदार सिंह पटेल ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी

गोटेगांव। स्थानीय नगर के एस आर जी कार्यालय में मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन के सचिव इंजीनियर सरदार सिंह पटेल ने प्रेसवार्ता के दौरान सेवा सप्ताह के आयोजन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वर्गीय मणिनागेन्द्र सिंह ऱमोनू भैयाऱ की स्मृति में प्रतिवर्ष विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष उनकी जयंती के अवसर पर 21 से 28 दिसंबर तक सेवा सप्ताह आयोजित किया जा रहा है,इस सेवा सप्ताह के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। 23 और 24 दिसंबर को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएगी,25 दिसंबर को भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के उपलक्ष्य में 'सुशासन दिवस' के रूप में कवि सम्मेलन आयोजित होगा। यह सम्मेलन साहित्य और संस्कृति के माध्यम से समाज को नई दिशा देने का प्रयास करेगा,26 दिसंबर को गौ संरक्षण संगोष्ठी और नशा मुक्ति अभियान का आयोजन होगा। इस दौरान समाज को नशा मुक्त बनाने और गौवंश संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने पर जोर दिया जाएगा,27 दिसंबर को श्री श्री बाबा श्री जी के जन्मदिवस पर विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इस शिविर का उद्देश्य जरूरतमंदों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना और समाज में रक्तदान के महत्व को बढ़ावा देना है,28 दिसंबर को स्व. मणिनागेन्द्र सिंह ऱमोनू भैयाऱ की जयंती पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दिन विवेक लोधी 135 कि.मी. दौड़ पूरी कर रायसेन से गोटेगांव पहुंचेंगे। क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन होगा और नर्मदा जी का पूजन व प्रसाद वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही मोनू भैया की स्मृति में स्मारक का उद्घाटन किया जाएगा। जरूरतमंदों को कंबल, फल और भोजन वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में सहयोगी कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह आयोजित होगा,सरदार सिंह पटेल ने बताया कि इन सभी आयोजनों का उद्देश्य स्वर्गीय मणिनागेन्द्र सिंह की सेवा भावना को जीवित रखना और समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। उन्होंने क्षेत्र के सभी नागरिकों से सेवा सप्ताह में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की,यह सेवा सप्ताह समाज सेवा,संस्कृति और समर्पण की भावना को मजबूती प्रदान करेगा और स्व. मणिनागेन्द्र सिंह के आदर्शों को आगे बढ़ाने का कार्य करेगा।